हरिभूमि

झज्जर-बहादुरगढ़ भूमि

रोहतक, सोमवार 9 फरवरी 2026

11 अच्छेज में अधर में लटका सड़क निर्माण, पेयजल भी नहीं

12 हिंदू सम्मेलन में महिलाओं ने ध्वजा यात्रा निकाली

खबर संक्षेप

राहुल खत्री ने किया यूजीसी नेट क्वालीफाई

बहादुरगढ़। गांव कुलासी निवासी आचार्य राहुल खत्री ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा आयोजित नेट परीक्षा 2025 में शानदार सफलता हासिल की है। प्राचीन संस्कृत (वेदांत) विषय में हरियाणा से एकमात्र राहुल खत्री ने नेट परीक्षा पास की। जबकि देश भर से 22 उम्मीदवारों ने इस विषय में नेट क्वालीफाई किया है। बता दें कि 2023 में राहुल को आचार्य की उपाधि के साथ ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया था। अपनी सफलता का श्रेय राहुल ने कड़ी मेहनत के साथ अपनी मां और गुरुजनों के मार्गदर्शन को दिया है। उन्होंने पिता की मृत्यु के बाद अपनी पढ़ाई छोड़कर प्राइवेट जॉब करने वाले छोटे भाई विनय के सहयोग को भी सराहा।

राष्ट्रीय लोक अदालत 14 मार्च को : सीजेएम

झज्जर। आगामी 14 मार्च को जिला न्यायालय परिसर में राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया जाएगा। इस लोक अदालत में दोनों पक्षों की सहमति से विभिन्न प्रकार के मामलों का त्वरित एवं सौहार्दपूर्ण निपटारा करवाया जाएगा। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं सीजेएम विशाल ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य लंबित मामलों को आपसी समझौते के माध्यम से शीघ्र समाधान तक पहुंचाना है, जिससे समय और धन दोनों की बचत हो सके तथा न्याय प्रक्रिया को सरल बनाया जा सके। उन्होंने बताया कि लोक अदालत में ट्रैफिक चालान, बैंक रिकवरी, मोटर वाहन दुर्घटना अधिनियम से जुड़े मामले, पारिवारिक विवाद, दीवानी एवं फौजदारी मामले, श्रम विभाग से संबंधित प्रकरण, भूमि अधिग्रहण, बिजली-पानी के बिल तथा राजस्व से जुड़े मामलों का निपटारा किया जाएगा।

पूर्व विधायक के ऑफिस में हेल्थ कैंप कल

बहादुरगढ़। पूर्व विधायक नरेश कौशिक के जन्मदिन पर झज्जर रोड स्थित भाजपा कार्यालय पर मंगलवार 10 फरवरी को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट व एक्शन कैंसर अस्पताल के विशेष डॉक्टरों टीम शिविर में लोगों के स्वास्थ्य की जांच करते हुए उन्हें उचित परामर्श भी देगी।

जिला व उपमंडल पर समाधान शिविर आज

झज्जर। जिले में आमजन की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं प्रभावी समाधान के उद्देश्य से वीरवार को जिला मुख्यालय सहित सभी उपमंडलों में समाधान शिविरों का आयोजन सुबह दस बजे से दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि जिला स्तरीय समाधान शिविर में डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल जबकि उपमंडल स्तर पर संबंधित एसडीएम लोगों की समस्याएं व शिकायतें सुनेंगे।

सैनी भवन का 22 को सीएम करेंगे उद्घाटन

बहादुरगढ़। सावित्रीबाई ज्योतिबा फुले ट्रस्ट सैनी भवन की जनरल मीटिंग में भाग लेते हुए ट्रस्टी रामकंवार सैनी ने बताया कि चंदा एकत्र कर 20 करोड़ रुपये में यह भवन तैयार किया गया है। उन्होंने मौजूदा कमेटी को इसके लिए बधाई देते हुए कहा कि 22 फरवरी को इसका उद्घाटन मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी करेंगे। विभिन्न आयोजनों के साथ ही बच्चों को निशुल्क कोचिंग दी जाएगी।

अंडरग्राउंड नालों की वजह से साफ-सफाई में आ रही थी दिक्कत, निकाला समाधान

15 लाख से बनाए जा रहे मेन बाजार में नाले, जलभराव से मिलेगी राहत

जलभराव की वजह से बाजार में पैदल चलना भी मुश्किल, अब राहत की आस

मेन बाजार में सुभाष चौक से लेकर अंबेडकर चौक तक होगा नालों का निर्माण, कॉपरेटिव बैंक तक एक तरफ हो चुका काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। शहर के मेन बाजार में किया जा रहा नालों का निर्माण।

शहर के मेन बाजार क्षेत्र में हर साल बारिश के दौरान होने वाली जलभराव की गंभीर समस्या से अब जल्द ही निजात मिलने वाली है। नगर परिषद द्वारा करीब 15 लाख रुपये की लागत से नाले के निर्माण कार्य की शुरुआत कर दी गई है।

मेन बाजार में सुभाष चौक से लेकर अंबेडकर चौक तक नालों का निर्माण कार्य करवाया जाएगा। इसमें सुभाष चौक से कॉपरेटिव बैंक तक एक तरफ नाला निर्माण हो चुका है, जबकि कॉपरेटिव बैंक से अंबेडकर चौक तक नाला निर्माण कार्य तेजी से किया जा रहा है। इस परियोजना के पूरा होने के बाद व्यापारियों, राहगीरों और स्थानीय निवासियों को लंबे समय से चली आ रही जलभराव की परेशानी से राहत मिलने की उम्मीद है।

नाले जाम होने से दुकानदारी चौपट

मेन बाजार में पानी की निकासी के लिए पिछली योजना में अंडरग्राउंड नालों का निर्माण करवाया गया था। उचित ढंग से साफ सफाई न होने के कारण नाले अवरूद्ध हो गए थे। इसके कारण प्रतिदिन बाजार की सड़कों पर पानी भरा रहता था। इसके कारण जहां राहगीरों और वाहन चालकों को परेशानी होती थी, वहीं दुकानदारी भी प्रभावित हो रही थी। बरसात के दिनों में हालात बद से बदतर हो जाते थे और डेढ़ से दो फीट तक पानी भर जाता था। दुकानदारों और आमजन की समस्या को देखते हुए नगर परिषद द्वारा ओपन नालों का निर्माण करवाया जा रहा है।

गुणवत्तापूर्ण सामग्री प्रयोग करने के निर्देश

नप चेयरमैन जिले सिंह सैनी ने कहा कि जलभराव की समस्या दूर करने के लिए मेन बाजार में नालों का निर्माण कार्य करवाया जा रहा है। नालों के निर्माण कार्य में करीब पंद्रह लाख रुपये की लागत आएगी। उन्होंने बताया कि ठेकेदार को निर्धारित समयावधि में काम करने और गुणवत्तापूर्ण सामग्री प्रयोग करने के निर्देश दिए गए है, ताकि यह लंबे समय तक कारगर साबित हो सकें।

नौगांवा में अज्ञात बीमारी से मर रहे पशु, विधायक ने किया दौरा

झज्जर। नौगांवा गांव में ग्रामीणों से पशुओं के मरने के मामले की जानकारी लेते हुए विधायक गीता भुक्कल। *फोटो : हरिभूमि*

- पशुओं की जांच करते हुए वैक्सीनेशन अभियान चलाने के निर्देश दिए
- पशुओं की हुई मौत का मामला गंभीर, विधानसभा में उठाया जाएगा मुद्दा : भुक्कल

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

क्षेत्र के गांव नौगांवा में अज्ञात वायरस के कारण हो रही पशुओं की मौत मामले को लेकर रविवार को पूर्व शिक्षा मंत्री एवं स्थानीय विधायक गीता भुक्कल ने गांव का दौरा किया। गांव में पहुंचने पर ग्रामीणों ने विधायक को समस्या से अवगत करवाया। इस पर कार्रवाई करते हुए उन्होंने विभागीय अधिकारियों को मौके पर बुलाया और पशुओं की जांच करते हुए वैक्सीनेशन अभियान चलाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन पशुओं की मौत हुई है, उनमें से अधिकांश पशुओं का पशुधन बीमा नहीं करवाया गया था, जिससे पशुपालकों को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। उन्होंने कहा कि इस गंभीर समस्या को आगामी बजट सत्र में भी मजबूती से उठाया जाएगा, ताकि प्रभावित पशुपालकों को मुआवजा और बीमारी से बचाव के लिए ठोस कदम उठाए जा सकें। इस दौरान रिटायर्ड एसीपी राजबीर सिंह जाखड़ भी मौजूद रहे।

पंकज एनकाउंटर केस : जांच से संतुष्ट पंचायत सीएम सैनी का जताएगी आभार

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

झज्जर। पंचायत के दौरान उपस्थित खाप प्रतिनिधि और प्रबुद्धजन।

क्षेत्र के गांव डीघल निवासी पंकज अहलावत पुलिस मुठभेड़ मामले को लेकर रविवार को एक बार फिर विभिन्न खापों की पंचायत डीघल गांव में हुई। पंचायत में एसआईटी जांच पूरी होने के बाद मामले की स्थिति और जांच प्रक्रिया पर विस्तार से चर्चा की गई। खाप प्रतिनिधियों ने मामले की निष्पक्ष जांच एसआईटी से करवाने पर सीएम नायब सैनी का आभार जताया। वहीं एसआईटी प्रमुख एडीजीपी ममता सिंह के कार्य की भी सराहना की। पंचायत के दौरान सर्वसम्मति से सीएम से मिलकर उनका आभार व्यक्त करने का निर्णय लिया गया। पंचायत के बाद एक प्रतिनिधि मंडल सीएम से मिलने व उनका आभार व्यक्त करने के लिए रवाना हुआ। बता दें कि 15 जनवरी की रात को पंकज अहलावत को पुलिस एनकाउंटर में गिरफ्तार कर लिया था। उस पर एक पुलिस कर्मी को गोली मारने का आरोप लगाया गया था। एनकाउंटर में उसे भी गोली लगी थी। वहीं, दो अन्य युवकों को भी गिरफ्तार किया था। अब जांच में इन्हें बरी कर दिया गया है।

नया गांव के सरकारी स्कूल में चोरी

बहादुरगढ़। इलाके में सरकारी स्कूल चोरों के निशाने पर हैं। अब नयागांव बीर बरख्ताबाद स्थित राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में चोरी हो गई। जब स्टाफ स्कूल में आया तो वारदात का पता चला। प्रिंसिपल कक्ष, लाइब्रेरी व कंप्यूटर कक्ष के ताले टूटे हुए थे। जांच करने पर प्रिंटर व कुछ अन्य सामान गायब मिला। सूचना पर सदर थाने से पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने प्रिंसिपल रेखा रानी की शिकायत पर केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। बता दें कि जिले में सरकारी स्कूलों में रात्रि सुरक्षा के बंदोबस्त नहीं हैं। इस वजह से ये सरकारी स्कूल अक्सर चोरों के निशाने पर रहते हैं। कई गांवों के सरकारी स्कूलों में वारदात हो चुकी है।

8 अक्टूबर को हुई डकैती में पुलिस 6 आरोपियों को पकड़ चुकी, एक की तलाश

कोमल ज्वेलर्स से ढाई करोड़ की डकैती में जेवर खरीदने वाला ज्वेलर गिरफ्तार

- पुलिस ने आरोपी ज्वेलर्स से एक लाख रुपये की रिकवरी की, आरोपी को जेल भेजा
- अब तक छह आरोपियों को गिरफ्तार कर 20 लाख रुपये की बरामदगी कर चुकी है पुलिस

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

कोमल ज्वेलर्स पर हुई डकैती के मामले में पुलिस ने एक और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस आरोपी ने डकैतों से आभूषण खरीदे थे। आरोपी को जेल भेज दिया गया है। इस मामले में अब तक छह आरोपी गिरफ्तार कर जेल भेजे जा चुके हैं। एक और आरोपी की तलाश में पुलिस छापेमारी कर रही है।

दरअसल, गत आठ अक्टूबर की अल सुबह यह वारदात हुई थी। वैगनआर कार में सवार होकर आए पांच बदमाश कथित तौर पर लगभग ढाई करोड़ के आभूषणों पर हाथ साफ कर गए थे। इस मामले में इससे पहले पांच आरोपी गिरफ्तार किए जा चुके हैं। जिनमें चार डकैत परमजीत, राज, जसविंदर, सोनू और एक स्वर्णकार कुलदीप शामिल है। अब पुलिस ने एक और आरोपी को काबू किया है। एंटी व्हीकल थेफ्ट प्रभारी जितेंद्र कुमार ने बताया कि आरोपी की पहचान दोश मोहम्मद उर्फ फिरोज निवासी गाजियाबाद यूपी के रूप में हुई है। आरोपी ने गहने खरीदे थे। उसके पास से एक लाख रुपये रिकवर किए गए हैं। आरोपी को जेल भेज दिया गया है। मामले में जांच जारी है। जल्द ही फरार आरोपी को भी गिरफ्तार किया जाएगा। मामले में अब तक लगभग साढ़े 20 लाख रुपये की रिकवरी हो चुकी है।

सांखोल में केमिकल वेस्ट डालने की शिकायत दी

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

- धाने में गंदा पानी डालने की वजह से फसलों को नुकसान की आशंका

गांव सांखोल के धाने में फैक्ट्रियों का जहरीला वेस्ट व सीवरेज गंदगी डालने का मामला सामने आया है। इस संबंध में ग्रामीणों की ओर से सिंचाई विभाग व प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड में शिकायत दी गई है। शिकायतकर्ता भगवान सिंह राठी का कहना है कि हमारे गांव में खेती के लिए केवल नहरी पानी ही एक मात्र साधन है। खेती के लिए पंचायती धाना है, जिसमें गणपति धाम की कुछ फैक्ट्रियों का वेस्ट डाला जा रहा है। इससे धाने में रुकावट हो रही है और फसल को नुकसान होने की आशंका रहती है। इस संबंध में कार्रवाई की जाए। वे मामले में एसडीएम और बीडीपीओ को भी शिकायत देकर कार्रवाई की मांग करेंगे।

दुल्हेड़ा में शादी में आए युवक की अज्ञात वाहन की टक्कर से मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

गांव दुल्हेड़ा में सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल युवक ने इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। वह किस वाहन की चपेट में आया, यह अभी स्पष्ट नहीं है। बादली थाना पुलिस ने केस दर्ज कर छानबीन शुरू कर दी है। मृतक की पहचान सुनील के रूप में हुई है।

जानकारी के अनुसार, सुनील मूलतः गांव दुल्हेड़ा से था और फिलहाल परिवार सहित दिल्ली के नजफगढ़ स्थित रोशनपुरा में रहता था। गत चार फरवरी को वह दुल्हेड़ा में आयोजित एक शादी समारोह में आया था। इसी दौरान वह किसी वाहन की चपेट में आ गया। उसे गंभीर चोट आई। उसे जाफरपुर स्थित अस्पताल ले जाया गया, जहां से सफदरजंग अस्पताल रेफर कर दिया गया। इलाज के दौरान अब उसने दम तोड़ दिया। सूचना पाकर बादली थाने से पुलिस अस्पताल में गई।

टैंपो की टक्कर से घायल

गांव खेड़ी के निकट बादली-सांपला मार्ग पर टैंपो और बाइक की टक्कर हो गई। इस हादसे में बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल की पहचान रक्षित के रूप में हुई है। रक्षित एक स्कूल में अध्यापक है और बाइक पर सवार होकर ड्यूटी पर जा रहा था। आरोप है कि इसी दौरान यूपी नंबर के एक टैंपो ने गलत दिशा से आते हुए उसकी बाइक को टक्कर मार दी। इसके बाद अपने वाहन को छोड़कर भाग गया। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे परिजनों ने रक्षित को संभाला और अस्पताल लेकर गए। हालत गंभीर बनी हुई है।

जोहड़ में मिला 76 वर्षीय बुजुर्ग महिला का शव

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

गांव लोहारहेड़ी में एक बुजुर्ग महिला का शव तालाब में मिला। महिला की शिनाख्त हो गई है। आसौदा थाना पुलिस ने पोस्टमार्टम की कार्रवाई शुरू करा दी है। मृतका की पहचान करीब 76 वर्षीय धनपति देवी के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, चंद दिनों पहले वह घर से बाहर गई थी लेकिन वापस नहीं लौटी। फिर परिजनों ने तलाश शुरू की। काफी तलाश के बाद भी नहीं मिली तो परिजनों ने पुलिस को सूचना दी। आसौदा थाना पुलिस ने गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कर उनकी तलाश शुरू की। इसी बीच रविवार की सुबह गांव के तालाब में किसी नागरिक की शव पर नजर गई तो पुलिस को सूचना दी गई। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव पानी से बाहर निकलवाया, जिसकी शिनाख्त धनपति के तौर पर हो गई। फिर शव को नागरिक अस्पताल में रखवा कर आगामी कार्रवाई शुरू की।

53777 किसानों की बनाई डिजिटल एग्री स्टैक आईडी

झज्जर। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल बताया कि जिला प्रशासन द्वारा एग्री स्टैक अभियान को मिशन मोड में चलाया जा रहा है और सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि प्रत्येक किसान की फार्मर आईडी बनना बेहद जरूरी है, क्योंकि यही आईडी भविष्य में किसानों को मिलने वाली सब्सिडी, सरकारी योजनाओं, अनुदानों, पीएम किसान सम्मान निधि और अन्य सेवाओं का आधार बनेगी। उन्होंने बताया कि जिले में अब तक कुल 53 हजार 777 किसानों की डिजिटल एग्री स्टैक फार्मर आईडी बनाई जा चुकी है। ब्लॉक वाइज प्रगति के अनुसार बादली में 6 हजार 223, बहादुरगढ़ में 12 हजार 564, बेरी में 9 हजार 400, झज्जर में 12 हजार 248 तथा साल्हावास में 4 हजार 161 किसानों की एग्री स्टैक आईडी तैयार की जा चुकी है।

समारोह क्रिकेट वर्ल्ड कैंप जीतने वाले कनिष्क चौहान का आज होगा भव्य स्वागत

धुआंधार बल्लेबाजी व गेंदबाजी से झज्जर के बेटे का कमाल

कुलाना में एक एकड़ में लगाया टेंट, हलवाई मिठाइयां बनाने में जुटे, कई गांवों को न्योता

हरिभूमि न्यूज ⏭ झज्जर

जिम्बाबे में खेले गए अंडर-19 क्रिकेट वर्ल्ड कप में भारत की खिताबी जीत के अहम किरदार गांव कुलाना के कनिष्क चौहान के स्वागत की तैयारियों में परिजनों सहित पूरा गांव लगा हुआ है। परिजनों और ग्रामीणों का उत्साह देखते ही बन रहा है। गांव में एक एकड़ में टेंट लगाया गया है। वहीं कारीगर भी गुलाब जामुन, लड्डू व जलेबी सहित कई प्रकार की मिठाइयां बनाने में जुटे हैं।

झज्जर। कनिष्क के सम्मान समारोह के लिए तैयार की मिठाई।

झज्जर। कुलाना में लगाया गया टेंट।

सोमवार को गांव आने पर कनिष्क चौहान का स्वागत किया जाएगा। कनिष्क चौहान के पिता प्रदीप चौहान ने बताया कि पूरे कुलाना गांव के अलावा आसपास क्षेत्र के सभी गांवों के ग्रामीणों का न्योता दिया गया है। उन्होंने बताया कि एक एकड़ में टेंट लगाया गया है। स्वागत में कोई कमी न रहे, इसके पूरे इंतजाम कर लिए गए हैं।

फाइनल में 37 रन ठोके थे

बता दें कि क्षेत्र के गांव कुलाना निवासी कनिष्क चौहान ने जिम्बाबे में खेले गए अंडर -19 वर्ल्ड कप के फाइनल में शानदार पारी खेलते हुए बीस ओवरों में तीन चौके और एक छक्का मारकर धुआंधार 37 रन बनाए थे। जिसके कारण टीम का स्कोर चार सौ का आंकड़ा पार कर गया था। बल्लेबाजी के अलावा कनिष्क ने दो विकेट भी लिए थे, जिसकी बदौलत टीम इंडिया ने जीत हासिल की थी। ग्रामीणों और परिजनों ने देर रात तक आतिशबाजी करते हुए जश्न मनाया था और अपने लाडले के स्वागत की तैयारियों में जुट गए थे।

बिजली संबंधी शिकायत देखने वाली कंपनी का ठेका समाप्त

- वैकल्पिक व्यवस्था में स्थायी कर्मचारी ही शिकायतों का निस्तारण करेंगे
- बेरी और झज्जर से 30 कर्मचारी उपलब्ध कराए

हरिभूमि न्यूज ⏭ बहादुरगढ़

शहर में बिजली संबंधी शिकायतों का कार्य संभालने वाली इंपीरियल कंपनी का टेंडर शनिवार रात 12 बजे समाप्त हो गया है। नई व्यवस्था लागू होने में लगभग 10 दिन का समय लगने की संभावना है। इस अवधि के दौरान बिजली निगम के स्थायी कर्मचारी ही शिकायतों का निस्तारण करेंगे। एचएसईबी वर्कर यूनियन के सर्कल प्रधान बिजेंद्र फोगाट ने जानकारी देते हुए बताया कि अस्थाई व्यवस्था के तहत फिलहाल निगम को बेरी और झज्जर से करीब 30 कर्मचारी उपलब्ध कराए गए हैं, जबकि शेष कर्मचारी बहादुरगढ़ के स्थायी स्टाफ से लगाए गए हैं।

उन्होंने कहा कि इस बीच कार्य में कुछ असुविधा हो सकती है, इसलिए नागरिकों से सहयोग की अपील की गई है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि निगम द्वारा शिकायतों के समाधान के लिए पूरी कोशिश की जाएगी और नई एजेंसी के कार्यभार संभालते ही व्यवस्था पहले की तरह सुचारु हो जाएगी।

हारना तब आवश्यक हो जाता है, जब लड़ाई अपनों से हो, और जीतना तब आवश्यक हो जाता है, जब लड़ाई अपने आप से हो।
-हरिवंश राय बच्चन

वह मुझे मनाने के लिए, पकड़ने के लिए मेरे पीछे-पीछे दौड़-भाग करती रही और मैं झूठमूठ की नाराज़गी का नाटक करते हुए पीछे की तरफ हटे जा रही थी। घर की औरतों का हंस-हंस के बुरा हाल था। ऐसा मेरु की बहू के साथ पहली बार नहीं हुआ था। जब भी वह हमारे घर आती या मैं उनके घर जाती, हंसी-ठट्ठों का टॉनिक पीकर ही आती थी।

कहानी
संगीता बैनीवाल

मेरु की बहू

घर के बाहरी हिस्से में एक बैठक है। बैठक का घर के बाहरवाई हिस्से में होने का कारण भी मैं आज तुम्हें जरूर बताऊंगी। क्योंकि आजकल बैठक घर के अंदर होती हैं पर मैं जिस बैठक की बात कर रही हूं, वो उस जमाने की भी याद दिलाती है, जब बैठक घर के बाहर होती थी और केवल पुरुषों के बैठने के काम आती थी। उस जमाने में बैठक घर के बाहर ही होती थी बताना इसलिए भी जरूरी है कि बैठक के बाहर होने के पीछे गांव की एक खास सोच थी, जिसे हम साझी सोच भी कह सकते हैं।

दरअसल, वह हर घर में लागू होती थी। बैठक तो उसका आधुनिक नाम है। यह वह बैठक है जिसमें केवल पुरुष बैठा करते थे। इस बैठक में घर की औरतें नहीं बैठती थी केवल आदमी और लड़के बैठते थे। यदि कोई मेहमान आता था तो वह बैठक में ही बैठता था। परिवार की रजामंदी पर ही वह घर के भीतर दाखिल हो सकता था। हां, अगर किसी मेहमान के साथ कोई औरत या लड़की आई है तो वह घर के अंदर आंगन में चली जाती थी, बिना रोक-टोक के। अगर किसी गरीब के घर में बैठक नहीं है तो अपने आसपास जो भी, जिस भी भाई की बैठक होती थी, अपने मेहमान को वहां बैठा दिया करते थे। इसके लिए उसे बैठक के मालिक से इजाजत लेने की आवश्यकता भी नहीं होती थी, इतना अधिकार तो आपस में समझा जाता था। अब समझ में आई बाहरवाई बैठक। यानी घर के पुरुष और बाहर के पुरुष उनके लिए होती थी यह बैठक। क्योंकि घर की बहू-बेटियों पर किसी की बुरी नजर ना पड़े इसलिए उनके लिए आंगन कोठड़ा कोठड़ी सूपा, बिसाला, दुकड़िया ये सब कमरों के नाम है इनमें कहीं भी किसी भी जगह बैठने की छूट होती थी।

अधिकतर घरों में आंगन भी दो ही होते थे, एक बाहरवाई जिसमें ये बैठक और पशुओं के रहने की जगह और उनके चारे के लिए कमरे बने होते थे। दूसरा एक भीतर आंगन जिसमें बहू बेटियां अपनी सुविधा के अनुसार रहती थी। कोई भी बड़ा-छोटा पुरुष आवाज करके ही आंगन में आता था ताकि बहू-बेटी अपने आप को संभाल ले, अपने कपड़े- वस्त्र इत्यादि ठीक-ठाक कर ले। जिन बहू को घूंघट करना होता था, वह अपना घूंघट कर ले। सभी औरतें संभल जाती तब कोई बड़ी औरत उस पुरुष को आवाज देकर अंदर बुलाती थी। तब तक पुरुष बाहर खड़ा इंतजार करता था। जब तक अंदर से आवाज ना आए, पुरुष अंदर दाखिल नहीं होता था। किसी बुजुर्ग औरत के आवाज लगाने पर कि "भाई कौन है अंदर आ जाओ।" तब पुरुष अंदर दाखिल होता था। यह सब बिलकुल सहज सा ही लगता था। इतना औपचारिक भी नहीं लगता था कि उस जमाने में जो आज सुनने में लग रहा है। कुटुंब का भी बड़े ओहदे का पुरुष आंगन के दरवाजे के पास पहुंच कर पहले खांसने की आवाज करता, जिसे खंगारा करना कहते थे, या किसी बच्चे का नाम जानता हो तो उस बच्चे के नाम से आवाज लगाता। जैसे 'रामसिंह!' आवाज लगाने के बाद इंतजार करता, यदि भीतर से कोई बुलावा आया है, उसकी पहचान हो गयी, तभी कोई बड़ी औरत भीतर आने के लिए कहती थी। इसके पीछे कारण यह भी था कि उस समय संयुक्त परिवार होते थे और संयुक्त परिवार में मनुष्य भी ज्यादा होते थे। उन पुरुषों का कोई गलत सोच का यार-दोस्त भी हो सकता था। इसलिए हर एक के लिए भीतर वाले आंगन में एंट्री नहीं थी, लेकिन इस व्यवस्था का एक विपरीत पक्ष भी था। अब जब कुछ सीधा होता है तो बैलेंस करने के लिए कुछ उल्टा भी जरूरी है। उल्टी बात यह थी कि बहू बहन-बेटियां बैठक में नहीं आ सकती थी, उन्हें इजाजत नहीं थी। वो बैठक में एक-दो शर्तों पर ही एंट्री मार सकती थी। एक तो सुबह के समय झाड़ लगाने के लिए, दूसरा जब बैठक में कोई पुरुष ना हो। दूसरी एंट्री दोपहर में कभी-कभी मिलती थी क्योंकि दोपहर में अधिकतर पुरुष खेतों में होते थे। जहां जाने पर रोक होती है, वहां जाने का उतना ही अधिक मन करता है।

हां, तो यह मेरे बचपन की वही बैठक है। आज मैं ससुराल से मायके में अपने घर आई हूं। इस समय शाम, गोधूलि वेला का वक्त है। सोचा कि बैठक में गेड़ा मार के आती हूं। यह गेड़ा आजकल वाले गेड़ा से अलग था। उस जमाने का गेड़ा भी बताऊंगी, कभी फुर्सत में। हां, तो मैं बैठक में आ गई हूं। पिता जी, चाचा-ताऊ, भाई उनकी अनुपस्थिति में भी उनके होने का अहसास लेने के लिए। मेरे साथ मेरी मां भी है। बैठक की दीवार पर पिताजी की फोटो टंगी हुई है। फोटो बहुत पुरानी है। बहुत पहले बनवाई हुई। इस फोटो में पिताजी जवान लगते हैं। 20-25 साल पुरानी तो जरूर होगी यह फोटो। इस फोटो पर नजर पड़ी और नजर पढ़ते ही मुझे फोटो से घूंघट सीन ताजा हो गया। सीन ताजा होते ही फिल्म की नायिका मेरु चौकीदार की पत्नी भुज्जी भी यादों में यूं आ टपक पड़ी, जैसे दुछत्ती से पुराने गुड़ का टोपा टपक जाता है। अब जब टपक पड़ी तो सोचा खैर-खबर भी ले ही लूँ।

'माँ !'

'हूँ' मां ने जवाब दिया।

'मेरु चौकीदार की बहू ठीक है?' मैंने पूछा।

'ओह! क्या बताऊं बेटी! वो तो होली के आसपास ही राम को प्यारी हो गई बेचारी।' मां का अफ़सोस भरा जवाब।

'अच्छा! ओह हो...! सच में? यूं कैसे?'

'हां बेटी...! उसको तो इतनी अच्छी तरह उठा के ले ग्या राम। सुबह की चाय पी के बैठी ही थी और बैठी-बैठी ही लुढ़क गई।'

मां उसकी यादों में पहुंच कर बोले जा रही थी।

'मेरु ने बहू-बेटों को आवाज़ लगाई। उन्होंने आकर देखा-संभाला, नब्ज देखी तो पता चला कि वह तो राम के घर पहुंच भी गई।'

मां के द्वारा बताने के लहजे में उसके जाने के दुख के साथ-साथ बिना तकलीफ ठीक-ठाक प्राण देने का सुकून ज्यादा झलक रहा था।

'मेरु की बहू भुज्जी कितनी सीधी थी ना।' अपने मन ही मन कहा मैंने। बचपन में उन्हें बुद्धू बनाकर घर की औरतों का जो मनोरंजन किया करती थी, उसके आगे तो आज की सारी कॉमेडी पानी भरती हैं। वो मेरे मजाक का बुरा भी नहीं मानती थीं। अब बड़ी होने पर समझ में आया कि अनेक बार तो वो जान-बूझकर मेरी बातों पर बुद्धू बनने का नाटक करती थी। हां, उसके साथ छेड़खानियों के बदले में मां की डांट-फटकार, सोटा, चिमटा, फूंकनी की मार तो सहन करनी पड़ती थी। मां कभी नहीं चाहती थी कि मैं उसका मजाक बनाऊं। हंसना तो दूर, उल्टा उनका बचाव ही करती थी। करें भी क्यों न, वह और मां हमउम्र थी। इकट्ठी ही शादी होकर आई थी दोनों। मेरु चौकीदार मां को काकी कहकर बुलाया करता था। भुज्जी भी मां को 'ए री बबीता की मां' कह कर बुलाया करती थी। मुझे 'ए री ननद' कह कर बोलती थी। वैसे तो हम सभी बहन-भाई उनके बच्चों के हम उम्र थे, मगर होली पर उसको पानी में भिगोने में वैसा ही आनंद लेते थे, जैसा मेरे चाचा लोग मेरी मां और ताई-चाचियों को पानी में भिगोते थे।

एक बार की बात है, हम घर की सभी महिलाएं दोपहर में बैठक में लगे नए बिजली के पंखे की हवा ले रहीं थी। पंखा नया लगवाया था। सबसे पहले बैठक में ही लगा था। घर में अंदर अभी नहीं लगा था। उस समय पुरुष कोई था नहीं। सभी औरतें अपना काम निपटा कर बैठक में पंखे की हवा का आनंद ले रही थीं। उसी समय मेरु की बहू का आना हुआ। मैडम भुजी ने ये चमत्कार पहली बार देखा था। चलते हुए पंखे की गोल आकृति देख हैरतअंगेज थी कि ये गोल-गोल चीज अपने आप कैसे चल रही है, इसमें हवा कहां से आ रही है। मैं भी जादूगर सम्राट शंकर की फीलिंग लेकर पंखे का स्विच कभी ऑफ करती और कभी ऑन करती हुई भुज्जी की तरफ देख रही थी। उसके चेहरे पर आए अचंभित भावों को देखकर खुश हो रही थी। उसे समझाने की भी कोशिश कर रही थी कि यह चीज गोल नहीं है, स्विच ऑफ करके दिखाना चाह रही थी। इस पर वह और ज्यादा अचंभित हो गई, कहने लगी कि फिर यह गोल कैसे दिख रही थी। मेरे पिताजी साहूकार के घर पंखा झलने के लिए जाया करते थे। उस पंखे की तो लंबी झालर होती थी।

अब मैं मेरु की बहू की अचंभित बातों से बोर सी भी होने लगी थी। पंखे से नजर हटते ही मेरु की बहू की नजर पिताजी की फोटो पर पड़ी और नजर पड़ते ही वह सकपका गई। बस फिर क्या था। मुझे सुनहरी मौका मिल गया था, उसे सताने के लिए। मैंने झट सवाल किया।

'मेरु की बहू।'

'हाँ री ननद।' भुजी ने मेरी तरफ देखकर कहा।

'तुम अपने चाचा ससुर की फोटो के आगे बिना घुंघट के.....?'

मैंने बनावटी गुस्सा दिखाते हुए अपनी बात चालू रखी। 'आने दे शाम को पिताजी को.....। जरूर बताऊंगी। जरूर बताऊंगी कि तुम्हारी चौकीदारनी तो शहर की मेम बन गई है, घूंघट करना अब इसके बस का नहीं है।'

इतना सुनते ही मेरु की बहू ने झट घूंघट कर लिया पिताजी की फोटो से। और मुझसे मिन्नत करने लगी 'री ननद, हाथ जोड़ विनती करूं हूं। देखोए ये बात नंबरदार जी को नहीं बताना। मेरा भरी पंचायत में मजाक बन जाएगा और चौकीदार तो हर रोज मुझे ताने देगा, सो अलग। मैंने तो नंबरदार जी की फोटो देखी ही नहीं थी, अगर देखी होती तो क्या मैं ऐसा काम करती। री, नंद अबकी बार बचा ले।'

वह मुझे मनाने के लिए, पकड़ने के लिए मेरे पीछे-पीछे दौड़-भाग करती रही और मैं झूठमूठ की नाराज़गी का नाटक करते हुए पीछे की तरफ हटे जा रही थी। घर की औरतों का हंस-हंस के बुरा हाल था। ऐसा मेरु की बहू के साथ पहली बार नहीं हुआ था। जब भी वह हमारे घर आती या मैं उनके घर जाती, हंसी-ठट्ठों का टॉनिक पीकर ही आती थी।

आज बैठक में खड़ी, मेरे अंदर यादों के ये सब चलचित्र बारी-बारी से आते गए और जाते गए आंसुओं से धुंधला भी रहे थे। गला भर आया। अब मुझे कुछ दिखाई नहीं दिया बैठक में। आंखों से पानी बह रहा था, गला भर गया था। अकेली मेरु की बहू खड़ी थी मेरे सामने। मैं बस इतना ही कह पाई।

'कुछ साल तो और रुक जाती मेरु की बहू...! बैरन....! इतनी क्यों जल्दी मचाई जाने की?

बचपन में उन्हें बुद्धू बनाकर घर की औरतों का जो मनोरंजन किया करती थी, उसके आगे तो आज की सारी कॉमेडी पानी भरती हैं। वो मेरे मजाक का बुरा भी नहीं मानती थीं। अब बड़ी होने पर समझ में आया कि अनेक बार तो वो जान-बूझकर मेरी बातों पर बुद्धू बनने का नाटक करती थी। हां, उसके साथ छेड़खानियों के बदले में मां की डांट-फटकार, सोटा, चिमटा, फूंकनी की मार तो सहन करनी पड़ती थी। मां कभी नहीं चाहती थी कि मैं उसका मजाक बनाऊं। हंसना तो दूर, उल्टा उनका बचाव ही करती थी। करें भी क्यों न, वह और मां हमउम्र थी। इकट्ठी ही शादी होकर आई थी दोनों। मेरु चौकीदार मां को काकी कहकर बुलाया करता था। भुज्जी भी मां को 'ए री बबीता की मां' कह कर बुलाया करती थी। मुझे 'ए री ननद' कह कर बोलती थी। वैसे तो हम सभी बहन-भाई उनके बच्चों के हम उम्र थे, मगर होली पर उसको पानी में भिगोने में वैसा ही आनंद लेते थे, जैसा मेरे चाचा लोग मेरी मां और ताई-चाचियों को पानी में भिगोते थे।

गीत
प्रीति पाठक 'प्रीति'

शिव आराधना

देवों के हैं देव महादेव शिव शंकर
नाम है अनेक जिसमें इक है गंगाधर
शिव अनुकम्पा से जीवन होगा बेहतर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

शिव औघड़, आशुतोष, गृहस्थ, महायोगी
त्यागी और तपस्वी हैं हमारे शिव वियोगी
शिव महिमा को बिल्कुल न समझो तुम कमतर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

शिव ज्ञान के वेद रामायण के प्रणेता
मानव के आदर्श शिव हैं रक्षक देवता
भक्तजनों की वेदना लेते शिव हैं हर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

शिव संगीत के स्वर हैं शिव स्मृति उत्सव
शिव गौरव हैं प्रेम के दुष्टों के भैरव
शिव आराधना से मिले मोक्ष का अवसर
कर लें शिव आराधना हम सारे मिलकर।

कविता
सपना

एक पल

एक पल जो सिर्फ मेरा हो।
एक पल जिसमें ख़ुद से मिलना हो ॥
एक पल जिसमें जिम्मेदारी न हो किसी रिश्ते की।
एक पल जिसमें जवाबदेही न हो आठों पहर की ॥
एक पल जिसमें मेरे होने का एहसास हो।
एक पल जिसमें शब्दों की जरूरत न हो ॥
एक पल जो एक कप चाय में शक्कर की तरह घुल जाए।
एक पाल जो पूरे दिन का आधार बन जाए ॥
एक पल जिसमें दिन भर की थकान बातों से पिघल जाए।
एक पल जिसमें बिन सवाल हर जवाब मिल जाए ॥
एक पल जिसमें हँसते हुए डर न लगे।
एक पल जिसमें जीवन संघर्ष न लगे॥
एक पल..
सि र्फ एक पल ..जो सिर्फ मेरा हो ॥

कविता
मनीषा मंजरी

प्रदर्शन का युग

प्रदर्शित पीड़ा हीं अब समझ आएगी,
निःशब्द चीखें ना किसी को लुभाएगी।

युग प्रदर्शन का, विचित्रता का पर्याय बना,
अश्लीलता, इस सभ्यता की पहचान चुराएगी।

दयनीयता अब आँखों को कहाँ रुलायेगी,
पथ की हर ठोकर, मनोरंजन का विषय कहलाएगी।

निजता - शालीनता, अदृश्यता की सार्थकता को पाएगी,
आडम्बर, मूर्छित व्यक्तित्व की चिताएं सजायेगी।

परनिंदा, दिनचर्या का हिस्सा बन जायेगी,
निर्णयात्मकता की कटार, बस स्वयं को बचाएगी।

हर क्षण की कहानियां, परदों पर छाएगी,
सहायता को बढ़ेंगे हाथ नहीं, बस टिप्पणियां लिखी जाएंगी।

इस संवेदनशून्यता की नींद, क्या कभी खुल पाएगी,
या मृत अस्तित्व के बाजार में, हर चेतना लूटी जायेगी।

भतेरी, जो बचपन से साइकिल और फिर सुमेर को देखते-देखते ऑटो की तकनीक समझ चुकी थी, उसने हिम्मत जुटाई। उस रात सुनसान सड़क पर जब उसने ऑटो चलाया, तो उसे लगा जैसे उसके पंख निकल आए हों। उसका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर था।

लघु कथा
डा. मधुकांत

एक नई उड़ान

हरियाणा के एक छोटे से कस्बे में सूरज की पहली किरण अभी खिड़की से अंदर आई ही थी कि भतेरी के घर में चहल-पहल शुरू हो गई। सुमेर प्रतिदिन की भांति अपने पुराने ऑटो के पास पहुँचा। जैसे ही उसने ऑटो स्टार्ट करने के लिए हैंडल खींचा, भतेरी रसोई से ताज़ा बनी रोटियों का लंच बॉक्स लेकर दौड़ती हुई आई। उसने इठलाते हुए और चेहरे पर एक प्यारी सी मुस्कान के साथ सुमेर को डब्बा पकड़ाया। 'आज शाम को ज़रा घर जल्दी आ जाना,' उसने धीमे से कहा। सुमेर ने माथे पर बल देते हुए पूछा, 'क्यों भाई? आज क्या खास बात है? क्या फिर से कोई पड़ोस की पंचायत है?'

भतेरी ने बनावटी गुस्से में अपना हाथ कमर पर रखा और बोली, 'आपको तो कुछ याद रहता नहीं! आज हमारी शादी की पहली सालगिरह है। पिछले साल इसी दिन मैं इस घर में आई थी।' सुमेर का चेहरा थोड़ा उतर गया। वह दिल का बुरा नहीं था, लेकिन उसे शाम को दोस्तों के साथ बैठकर शराब पीने की लत थी। उसने ईमानदारी से कहा, 'देखो भतेरी, जल्दी आ गया तो घर में क्लेश ही होगा। तुम्हें मेरा पीना पसंद नहीं और मैं अभी इसे छोड़ नहीं सकता। फिर सालगिरह का मज़ा तो किरकिरा हो जाएगा ना?'

भतेरी ने एक गहरी साँस ली। वह सुमेर को बदलना चाहती थी, पर लड़कर नहीं, बल्कि प्यार से। उसने सुझाव दिया, 'आप आज बाहर मत रुकना। आप घर पर बैठकर ही अपना खाना-पीना करना। कम से कम मुझे आपकी सुरक्षा की चिंता तो नहीं रहेगी। सड़क पर नशे में ऑटो चलाना ठीक नहीं है।'

सुमेर की आँखें चमक उठीं। उसे लगा जैसे उसे अपनी पसंद की चीज़ के लिए लाइसेंस मिल गया हो। वह खिलखिलाकर बोला, 'अरे वाह मेरी धन्नो! आज तो मज़ा आ गया। तू तो बड़ी समझदार निकली।' सुमेर जब भी भतेरी से बहुत खुश होता या जिस दिन उसकी अच्छी कमाई होती, वह उसे प्यार से 'धन्नो' पुकारता था। भतेरी का नाम उसकी दादी ने रखा था। वह अपने माता-पिता की तीसरी बेटी थी। दादी को पोते की प्रबल चाहत थी, इसलिए जब तीसरी बार भी लड़की हुई, तो उन्होंने खीझकर उसका नाम 'भतेरी' रख दिया, जिसका अर्थ था—'अब बहुत हुई, और नहीं चाहिए।' बाद में जब घर में छोटा भाई पैदा हुआ, तो तीनों बहनों का जीवन जैसे सहायक जैसा हो गया। भतेरी ने पढ़ाई तो की, लेकिन उसका अधिकांश समय भाई के डायपर बदलने और उसे खिलाने में बीतता। स्कूल के दिनों में वह साइकिल चलाने में बहुत माहिर थी; वह लड़कों को भी पीछे छोड़ देती थी। लेकिन समाज की बेड़ियों ने उसे रसोई तक सीमित कर दिया। शादी के बाद जब वह सुमेर के घर आई, तो उसने देखा कि सुमेर के पास कमाई का साधन सिर्फ एक पुराना ऑटो है। एक रात सुमेर भारी नशे में था। उसे सवारियाँ छोड़नी थी, लेकिन उसकी आँखें मुंद रही थीं। उसने मज़ाक-मज़ाक में भतेरी को स्टेयरिंग पर बैठने को कहा।

भतेरी, जो बचपन से साइकिल और फिर सुमेर को देखते-देखते ऑटो की तकनीक समझ चुकी थी, उसने हिम्मत जुटाई। उस रात सुनसान सड़क पर जब उसने ऑटो चलाया, तो उसे लगा जैसे उसके पंख निकल आए हों। उसका आत्मविश्वास सातवें आसमान पर था।

एक दोपहर सुमेर को तेज़ बुखार था। तभी पड़ोस के घर से चीखने की आवाज़ें आईं। पड़ोस की महिला को प्रसव पीड़ा हो रही थी और कोई वाहन उपलब्ध नहीं था। एम्बुलेंस आने में वक्त था। भतेरी ने बिना देर किए सुमेर के ऑटो की चाबी उठाई और उन सबको अस्पताल पहुँचाया। उस दिन कस्बे के लोगों ने उसे एक नया नाम दिया-'गुलाबो'। उसकी फुर्ती और मददगार स्वभाव ने सबका दिल जीत लिया। धीरे-धीरे गुलाबो ने तय किया कि वह घर बैठने के बजाय सुमेर का हाथ बँटाएगी। उसने अकेले ऑटो लेकर निकलना शुरू कर दिया। पहले ही दिन जब वह शाम को घर लौटी, तो उसके पल्ले में 500 रुपये बँधे थे। सुमेर हैरान था। गुलाबो की यह पहली स्वतंत्र कमाई थी। एक महिला को ऑटो चलाते देखना शहर के लिए नई बात थी। स्थानीय पत्रकारों ने गुलाबो के संघर्ष और उसकी हिम्मत की कहानी फोटो के साथ अखबार में छाप दी। शीर्षक था- 'सपनों को मिला गियरः शहर की पहली महिला ऑटो चालक।' यह खबर 'स्त्री शक्ति संगठन' तक पहुँची। संगठन की अध्यक्ष ने गुलाबो से मुलाकात की और उसकी आर्थिक स्थिति को समझा। उन्होंने बैंक से बात करके बहुत ही कम ब्याज दर पर गुलाबो को एक नया ऑटो दिलाने में मदद की। संयोग से, वह ऑटो कंपनी महिलाओं के लिए विशेष रूप से गुलाबी रंग के ऑटो बना रही थी, जिनमें सुरक्षा के लिए जीपीएस और पैनिक बटन भी थे। जब गुलाबी ऑटो शहर की सड़कों पर उतरा, तो वह आकर्षण का केंद्र बन गया। महिला यात्री, कॉलेज जाने वाली लड़कियाँ और बुजुर्ग महिलाएँ अब गुलाबो के ऑटो का इंतज़ार करने लगीं क्योंकि वे उसमें खुद को सुरक्षित महसूस करती थीं।

गुलाबो की सफलता देखकर कस्बे की अन्य पाँच महिलाएँ भी उसके पास आईं। वे भी आत्मनिर्भर बनना चाहती थीं। गुलाबो ने उन्हें न केवल ऑटो चलाना सिखाया, बल्कि उन्हें बैंक से लोन दिलाने में भी मदद की। अब शहर में 'गुलाबी ऑटो' की एक पूरी फौज थी। सुमेर अब अपने पुराने ऑटो से काम करता था और गुलाबो अपने नए गुलाबी ऑटो से। दोनों की संयुक्त आय से घर की आर्थिक स्थिति सुधर गई। फूस के छप्पर की जगह पक्का कमरा बन गया। सबसे बड़ा बदलाव सुमेर में आया। अपनी पत्नी की मेहनत और समाज में उसकी इज़्ज़त देखकर सुमेर का सिर गर्व से ऊँचा हो गया। उसे अहसास हुआ कि जिस शराब के पीछे वह अपनी कमाई लुटाता था, वह उनके सुखद भविष्य में बाधा है। अब वह शाम को बाहर नहीं रुकता था। वह घर आकर गुलाबो के साथ बैठकर दिनभर की बातें करता। गुलाबो ने उसे पूरी तरह शराब छोड़ने के लिए मजबूर नहीं किया, बल्कि प्यार से उसे 'सीमित' कर दिया। वह कहती, 'आज ज्यादा थक गए हो, तो बस थोड़ी सी घर पर ही ले लो।'

धीरे-धीरे सुमेर को अहसास हुआ कि उसे शराब से ज्यादा खुशी अपनी पत्नी के साथ हँसने-बोलने में मिलती है। भतेरी, जिसका नाम 'बहुत हुई' के नकारात्मक भाव से रखा गया था, आज पूरे शहर के लिए 'मिसाल' बन चुकी थी। उसने साबित कर दिया कि एक महिला अगर ठान ले, तो वह न केवल अपना भाग्य बदल सकती है, बल्कि अपने जीवनसाथी को भी सही राह पर ला सकती है। आज जब भी कोई गुलाबी ऑटो सड़क से गुज़रता है, तो वह केवल एक वाहन नहीं, बल्कि महिला सशक्तिकरण की दौड़ती-भागती गौरव गाथा नज़र आता है।

स्वतंत्रता संग्राम की गुमनाम वीरांगना : नीरा आर्य

पुस्तक: नीरा आर्य : अद्भुत वीरांगना
लेखक: प्रोफेसर एम एम जुनेजा
मूल्य: 200 रुपये
प्रकाशक: मॉडर्न पब्लिशर, जीरकपुर

पुस्तक समीक्षा
डॉ. विजेंद्र कुमार

भारत के स्वतंत्रता संग्राम के इतिहास में अनेक गुमनाम नायकों के अद्भुत शौर्य व बलिदान की अनेक कहानियां अभी भी आलोक की प्रतीक्षा कर रही हैं। जो समाज अपने इतिहास को याद नहीं रखता, वह धीरे-धीरे समाप्त हो जाता है। प्रोफेसर एम.एम. जुनेजा एक ऐसी मशाल हैं जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के गुमनाम अनमोल रत्नों को आलोकित करने के लिए निरंतर प्रज्वलमान हैं। स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों के प्रति उनके हृदय में जो सम्मान है वह उनकी लेखनी से अवतरित होता है। वे अब तक 3 दर्जन ऐतिहासिक शोध ग्रंथ समाज को विशेषकर युवा पीढ़ी को समर्पित कर चुके हैं। इन शोधग्रंथों में से 24 कृतियां स्वतंत्रता संग्राम के महानायकों को समर्पित हैं। डॉ. जुनेजा द्वारा भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की एक और गुमनाम वीरांगना नीरा आर्य पर यह पुस्तक उन्होंने अंडमान निकोबार के आदिवासियों को समर्पित की है। यह पुस्तक उत्तरप्रदेश के खेकड़ा गांव में एक किसान परिवार में जन्मी नीरा आर्य के स्वतंत्रता संग्राम में अद्भुत योगदान पर केंद्रित है। विद्वान लेखक ने बड़े शोध-पूर्ण ढंग से प्रतिपादित किया है कि मात्र 9 वर्ष की आयु में अनाथ हुई नीरा ने किस तरह आज़ाद हिंद फौज के माध्यम से अंग्रेजों से संघर्ष में अपना जीवन समर्पित कर दिया। तत्कालीन सामाजिक व्यवस्था को रेखांकित करते हुए लेखक ने बताया कि नीरा के माता-पिता की बीमारी के दौरान गांव के साहूकार से कर्ज लेने तथा उनके माता-पिता के निधन के बाद किस तरह साहूकार द्वारा कर्ज के बदले उनकी पैतृक संपत्ति कुर्क करके उसके घर पर भी कब्जा कर लिया गया। मात्र 8-9 वर्ष की आयु में वह अबोध बालिका व उसका भाई अनाथ होकर सड़क पर आ गये थे। उस समय के दानवीर व समाजसेवी सेठ छाजूराम ने नीरा व उसके भाई को गोद ले लिया। आजादी के संघर्ष के महान नायकों पर लिखी पुस्तकों की भांति डॉक्टर जुनेजा की यह पुस्तक भी युवा पीढ़ी के लिए विशेष रूप से प्रेरणादाई है। एक और गुमनाम वीरांगना की शौर्य गाथा को प्रस्तुत करने के लिए डॉक्टर जुनेजा आभारी हैं। डॉक्टर जुनेजा की अन्य पुस्तकों की तरह ही यह पुस्तक भी संग्रहणीय है।

परिवेदना समिति में भी लगा चुके गुहार, समाधान फिर भी नहीं

अच्छेज में अधर में लटका सड़क निर्माण पेयजल आपूर्ति नहीं होने से ग्रामीण परेशान

■ उचित निकासी नहीं होने से गलियों में फैला गंदी पानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

झज्जर। गली में हुए जलभराव के बीच से निकलते हुए बच्चे एवं महिला।

अधर में लटके सड़क निर्माण, खस्ताहाल गलियों व बाधित पेयजल आपूर्ति क्षेत्र के गांव अच्छेज निवासी ग्रामीणों की परेशानी का कारण बनी है। ग्रामवासी अपनी समस्या को डीसी दरबार से लेकर परिवेदना समिति की बैठक में कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा के समक्ष भी रख चुके हैं लेकिन अभी तक कोई समाधान नहीं किया गया। ग्रामवासी राजेंद्र सोलंकी, ठोलेदार रोहताश, कुलदीप, गुलाब सिंह, सुरेंद्र पहलवान, सूबेदार बलजीत, सत्यवान, कामरेड करतार आदि ने बताया कि उनके गांव के लोगों को पिछले कई वर्षों से मूलभूत सुविधाओं के अभाव में जीवन यापन करना पड़ रहा है। गांव में बनाई जा रही नई सड़क का कार्य जहां अधर में लटका हैं वहीं गंदे पानी निकासी की उचित निकासी न होने के कारण नालियों से निकलता गलियों में फैल रहा है। लोग गंदे पानी के बीच से आवागमन को मजबूर हैं। ऐसे में खासकर बुजुर्गों व बच्चों को खासी परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसके अलावा गांव में जहां साफ-सफाई की हालत बदहाल है वहीं बाधित पेयजल आपूर्ति व्यवस्था के कारण आए दिन ग्रामीणों को दिक्कत आ रही है। ग्रामीणों ने बताया कि वे मौखिक व लिखित तौर पर अपनी समस्या को जहां बीते जनवरी माह में आयोजित लोक संपर्क एवं परिवेदना समिति की बैठक में कैबिनेट मंत्री श्याम सिंह राणा के समक्ष रख चुके हैं वहीं समाधान शिविरों के दौरान डीसी से अवगत करा चुके हैं। लोगों का कहना है कि जिला प्रशासन को चाहिए कि वह एक बार अधिकारियों को भेज कर मौका मुआयना कराकर उन्हें समस्याओं से छुटकारा दिलाए। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते जिला प्रशासन ने उनकी समस्याओं के समाधान के लिए कोई ठोस कदम नहीं उठाया तो वे आंदोलन पर मजबूर हो जाएंगे।

श्रमिकों को नए श्रम कानूनों के प्रभावों की जानकारी दी

■ हड़ताल के लिए शहर में चलाया जनसंपर्क अभियान

बहादुरगढ़। आगामी 12 फरवरी को प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी हड़ताल को सफल बनाने के उद्देश्य से रविवार को शहर के छोटूराम नगर में कर्मचारियों द्वारा जनसंपर्क अभियान चलाया गया। अभियान की अध्यक्षता मुकेश ने की। इस दौरान मजदूरों और कर्मचारियों को नए श्रम कानूनों तथा उनसे जुड़े संभावित प्रभावों के बारे में जानकारी दी गई।

कर्मचारी नेता मुकेश ने कहा कि नए श्रम प्रावधानों के लागू होने से कर्मचारियों की नौकरी की स्थिरता और सामाजिक सुरक्षा प्रभावित हो सकती है। इसके साथ ही कौशल रोजगार निगम की नीतियों और हायर एंड फायर प्रणाली पर भी चिंता व्यक्त की गई। अभियान के दौरान बिजली विधेयक 2025 को वापस लेने, न्यूनतम वेतन 30 हजार करने, पुरानी पेंशन योजना बहाल करने तथा विभिन्न विभागों में कार्यरत अस्थाई कर्मचारियों को नियमित करने की मांग उठाई गई। कार्यक्रम में संजीव, किरण सहित अन्य कार्यकर्ता भी उपस्थित रहे।

खबर संक्षेप

स्कॉलरशिप टेस्ट में विद्यार्थियों ने दिखाई प्रतिभा

झज्जर। एल ए वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में स्कॉलरशिप टेस्ट आयोजित किया गया, जिसमें जिले भर के विद्यार्थियों ने भाग लेते हुए अपनी प्रतिभा को दिखाया। स्कॉलर टेस्ट में श्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर बच्चों को सम्मानित किया जाएगा। स्कूल प्राचार्या निधि कादियान ने कहा कि हमारा विद्यालय प्रतिभावान बच्चों को हमेशा से आर्थिक सहयोग करता आया। हमारा उद्देश्य बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने के लिए प्रतिबद्ध है। सभी बच्चों व अभिभावकों ने इस टेस्ट में भाग लेकर अपनी खुशी का इजहार किया। स्कूल संचालक जगपाल गुलिया, जयदेव दहिया, अनिता गुलिया, नीलम दहिया ने होनहार विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

स्वयंसेवकों ने जानी जलघर की कार्यप्रणाली

झज्जर। राजकीय महाविद्यालय मातनहेल में सात-दिवसीय राष्ट्रीय सेवा योजना कैंप के चौथे दिन स्वयंसेवकों को मातनहेल के जलघर का भ्रमण कराते हुए वहां की कार्यप्रणाली से अवगत कराया गया। एनएसएस प्रभारी डॉक्टर पिंकी ने बताया कि स्वयंसेवकों ने जल घर पहुंच कर वहां के जल भंडारण, जल शुद्धिकरण तथा गांव में जल आपूर्ति की पूरी प्रक्रिया समझी। कर्मचारियों ने बताया कि जल घर में पानी को किस प्रकार सुरक्षित रूप से संग्रहित किया जाता है और विभिन्न फिल्टरों के माध्यम से उसे कैसे शुद्ध किया जाता है। उन्होंने जहां स्वयंसेवकों को आत्मशुद्धि का महत्व समझाया वहीं हार्टफुलनेस के माध्यम से मन को शांत रखने, तनाव को दूर करने बारे जानकारी दी। इस मौके पर डॉक्टर प्रियंका, प्रविंद्र ढिल्लो, नवीन भारद्वाज सहित अन्य भी उपस्थित रहे।

बजट की घोषणाओं की घर-घर जानकारी दें भाजपाई : जाखड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। कार्यक्रम के दौरान मंचासीन भाजपा पदाधिकारी।

भाजपा महिला मोर्चा की ओर से नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी की अध्यक्षता में रविवार को हरी गार्डन में बजट को लेकर महिला संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि, भाजपा नेता दिनेश कौशिक, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष सोमवती जाखड़ तथा पूर्व चेयरपर्सन सुनीता चौहान ने विशेष तौर पर भाग लिया।

भाजपा जिलाध्यक्ष विकास वाल्मीकि ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा पेश किया गया बजट महिलाओं, गरीबों और मध्यम वर्ग को सशक्त करने वाला बजट है। इसमें महिलाओं की आर्थिक आत्मनिर्भरता, स्वास्थ्य, शिक्षा और सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई है। दिनेश कौशिक के अनुसार यह बजट नारी शक्ति को समर्पित है। बजट में महिला स्वयं सहायता समूहों को मजबूत करने, महिलाओं को स्वरोजगार से जोड़ने, स्टार्टअप और लघु उद्योगों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिए विशेष प्रावधान किए हैं। सोमवती जाखड़ ने आह्वान किया कि वे घर-घर जाकर महिलाओं को बजट की इन घोषणाओं की जानकारी दें। सरोज राठी ने कहा कि मोदी सरकार का यह बजट समाज के अंतिम पंक्ति में खड़ी महिला तक विकास पहुंचाने वाला है। इस मौके पर रेनू शर्मा, सारिका बंसल, रिया जिंदल, मनमोहित गुप्ता, सुमित बराही, संदीप, पार्षद राजेश तंवर, सचिन, अनिल, राजकुमारी हरिमोहन धाकरे, राजेश मकड़ौली, प्रवीण, पूर्व प्रिंसिपल बीरमति, ज्योति पवन रोहिल्ला, सविता राजेश सैनी, ज्योति कर्मवीर शर्मा, अनु अनिल सिंगल, प्रमिला जून, मधु मित्तल, सुमन, संतोष राठी, सीमा पांचाल, सुनीता व कांता दलाल आदि मौजूद रहीं।

इंडो अमेरिकन स्कूल में 12वीं के विद्यार्थियों को दी विदाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

रविवार को इंडो अमेरिकन स्कूल में कक्षा 12वीं के विद्यार्थियों के सम्मान में विदाई समारोह का आयोजन हर्षोल्लास और भावनात्मक वातावरण में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय निदेशक बिजेंद्र कादियान ने दीप प्रज्वलन और विद्यार्थियों ने सरस्वती वंदना प्रस्तुत कर किया। कक्षा 11वीं के विद्यार्थियों ने अपने वरिष्ठ साथियों के सम्मान में आयोजित समारोह में नृत्य, गीत और मनोरंजक प्रस्तुतियों के माध्यम से सभी का मन मोह लिया। विदाई समारोह के दौरान 12वीं कक्षा के विद्यार्थियों ने अपने शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता प्रकट की और विद्यालय में बिताए गए अपने अनुभव साझा किए। कार्यक्रम के आकर्षण का केंद्र मिस फेयरवेल और मिस्टर फेयरवेल का चयन रहा। चयनित विद्यार्थियों को सम्मानित कर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरणादायक शब्द कहे और अनुशासन, मेहनत व नैतिक मूल्यों को अपनाने की सीख दी। स्कूल निदेशक बिजेंद्र कादियान ने सभी विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

झज्जर। विदाई समारोह के दौरान उपस्थित विद्यार्थी, स्कूल स्टॉफ एवं प्रबंधन समिति सदस्य।

विद्यालय की सफाई कर स्वयंसेवकों ने किया श्रमदान

झज्जर। पीएमश्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय दुजाना में चलाए जा रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर के दौरान विद्यार्थियों ने श्रमदान करते हुए स्कूल परिसर की साफ-सफाई की। एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि प्राचार्य रामवीर पाराशर की अध्यक्षता में आयोजित इस शिविर में स्वयंसेवकों को एनएसएस के उद्देश्य व महत्व से अवगत कराया। शिक्षिका पिंकी व मिनाक्षी ने स्वयंसेवकों को जीवन में योग का महत्व समझाते हुए उन्हें सूर्य नमस्कार की विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास कराया। इनके अलावा प्राध्यापक राजेंद्र सिंह व राकेश कुमार ने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों से अवगत कराते हुए उन्हें किसी भी प्रकार के नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया। इसके उपरांत स्वयंसेवकों ने विद्यालय परिसर की साफ-सफाई करते हुए श्रमदान भी किया। इस मौके पर विद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं और अध्यापक आदि मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सम्मेलन में किसानों ने केंद्रीय बजट पर की चर्चा

झज्जर। क्षेत्र के गांव बिरधाना में किसान सम्मेलन का आयोजन किया गया। सम्मेलन की अध्यक्षता किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष राम अहलावत ने की। कार्यक्रम में केंद्रीय बजट 2026–27 को लेकर किसानों को विस्तार से जानकारी दी गई और बजट से होने वाले लाभों पर चर्चा की गई। कार्यक्रम में किसान मोर्चा के राष्ट्रीय मीडिया प्रभारी डॉक्टर राजेंद्र भारद्वाज, प्रदेश महामंत्री सुनील, जिप चेयरमैन कप्तान बिरधाना, संजय कबलाना, श्रीभगवान, गजराज राठी, अमित अहलावत, संदीप, राजपाल आदि वक्ताओं ने कहा कि केंद्रीय वित्तमंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा प्रस्तुत यह बजट किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए तैयार किया गया है। राम अहलावत ने सरल भाषा में बजट के प्रावधानों को समझाते हुए इसे किसान हितैषी बजट बताया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम का उद्देश्य केंद्र सरकार की योजनाओं और बजट की जानकारी सीधे किसानों तक पहुंचाना है। केंद्र सरकार ने फसल बीमा योजना और फार्मर आईडी के माध्यम से किसानों को लाभ पहुंचाने का काम किया है।

बाल विवाह के खिलाफ शपथ ली

बहादुरगढ़। जिले में बाल विवाह के खिलाफ 100 दिवसीय अभियान के तहत जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रन संगठन की सहयोगी संस्था एमडीडी ऑफ इंडिया द्वारा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण झज्जर के साथ संयुक्त तत्वावधान में बाल विवाह मुक्ति रथ चलाया जा रहा है। रविवार को गांव सिद्धीपुर की सरपंच रेखा ने भी बाल विवाह के खिलाफ हस्ताक्षर कर इस अभियान को समर्थन दिया। उन्होंने गांव में बाल विवाह मुक्ति रथ का स्वागत करते हुए इस मुहिम को सराहा। इस्सरहेड़ी गांव में सरपंच मौसमी ने आश्वस्त किया कि वे प्रयास करेंगी कि गांव में कोई भी बाल विवाह न होने पाए। ग्रामीण हस्ताक्षर अभियान में शामिल हुए तथा बाल विवाह के खिलाफ शपथ ली। इस दौरान संस्था के जिला समन्वयक मनोज कुमार, सामुदायिक कार्यकर्ता पूनम, संदीप, पीएलवी कर्मजीत मौजूद रहे।

स्वयंसेविकाओं ने ग्रामीणों को किया जागरूक

बहादुरगढ़। राजकीय महिला महाविद्यालय में चल रहे सात दिवसीय एनएसएस शिविर के छठे दिन रविवार को कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आशिमा के मार्गदर्शन में स्वयंसेविकाओं ने गांव बालौर का शैक्षणिक एवं जागरूकता भ्रमण किया। उन्हें साइबर अपराध से बचने तथा पर्यावरण का संरक्षण करने के लिए प्रेरित किया। कैंप के प्रथम सत्र में रीना द्वारा योग सत्र आयोजित कर स्वयंसेविकाओं को प्राणायाम, सूक्ष्म व्यायाम तथा विभिन्न योगासन करवाए। गांव बालौर में स्वयंसेविकाओं द्वारा साइबर सुरक्षा विषय पर एक प्रभावशाली नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत किया गया। नाटक के माध्यम से ग्रामीणों को फर्जी फोन कॉल, ओटीपी धोखाधड़ी, लिंक फ्रॉड और सोशल मीडिया ठगी जैसे साइबर अपराध के विभिन्न रूपों के बारे में सरल भाषा में समझाया गया।

तक्षशिला विद्यापीठ में विदाई पार्टी में कराए एक्टिविटी टास्क

फेयरवेल में भौमिक अहलावत बने स्टूडेंट ऑफ द ईयर

झज्जर। स्कूल प्रबंधन समिति सदस्यों के साथ मंच पर उपस्थित चयनित विद्यार्थी।

झज्जर। तक्षशिला विद्यापीठ स्कूल बेरी में बारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों लिए फेयरवेल पार्टी का आयोजन किया गया। पार्टी के दौरान ग्यारहवीं कक्षा के विद्यार्थियों ने अपने सीनियर्स के लिए टाइटल सोंग लगाए व उनसे एक्टिविटी टास्क करवाए। विद्यार्थियों के सराहनीय कार्य के लिए निर्णायक मंडल द्वारा उन्हें प्वाइंट्स भी दिए गए। इस दौरान बारहवीं कक्षा से रितेश को मिस्टर तक्षशिलाइट, खुशी को मिस तक्षशिलाइट, प्रियांशु को मिस्टर पर्सनेलिटी, इच्छा को मिस ब्यूटीफुल, केतन व अनिशा को फेवरेट स्टूडेंट चुना गया। इसके अलावा भौमिक अहलावत को स्टूडेंट ऑफ द इयर का खिताब मिला। चेयरमैन सुखबीर डबास, निदेशक हरबीर डबास व प्राचार्य नसीब अहलावत ने चयनित विद्यार्थियों को सैशे, क्राउन और ट्रॉफी देकर सम्मानित किया।

जनस्वास्थ्य कर्मचारियों ने धरने पर की नारेबाजी

■ ठेकेदारों की तानाशाही पर रोक लगाने के लिए एसडीओ कृष्ण मलिक को लिखा पत्र

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

बहादुरगढ़। मांगों को लेकर नारेबाजी करते कर्मचारी।

एचएसवीपी जनस्वास्थ्य कर्मचारियों का धरना तीसरे दिन रविवार को भी जारी रहा। धरने की अध्यक्षता जिला प्रधान एवं राज्य उपाध्यक्ष रमन जून ने की। जबकि संचालन जिला सचिव एवं राज्य प्रेस सचिव रमेश कुमार विधलान ने किया।

यूनियन के प्रदेश अध्यक्ष आरके नागर ने बताया कि कच्चे कर्मचारियों के नाम पोर्टल पर डालने संबंधित कामाज अधिकारियों की मौजूदगी में पूरा हो गया। बीती रात देर कार्यकारी अभियंता ने मुख्य प्रशासक एचएसवीपी पंचकूला को एक पत्र लिखकर 32 कर्मचारियों को पोर्टल पर चढ़ाने का अनुरोध किया है। वहीं ठेकेदारों की तानाशाही पर रोक लगाने के लिए कार्यकारी अभियंता के आदेश पर स्थानीय एसडीओ कृष्ण मालिक ने एक पत्र सभी ठेकेदारों के नाम लिखकर यह हिदायत जारी की है कि, बगैर कार्यालय की इजाजत के किसी कर्मचारी को कोई भी ठेकेदार न तो हटाएगा न बदली करेगा। नागर ने कहा कि हमें उम्मीद है कि दोबारा कोई ठेकेदार किसी कर्मचारी का अहित नहीं करेगा। ठेकेदारों के ऐसे रवैया का बुरा सीधा असर कर्मचारी और संस्था पर पड़ता है। उन्होंने सरकार और प्रशासन को सख्त चेतावनी देते हुए कहा कि यदि ऐसा हुआ तो पूर्ण हड़ताल कर सीवर, पानी का काम बंद कर दिया जाएगा। कर्मचारियो ने अपनी मांग रखते हुए कहा कि भविष्य में ऐसा दोबारा होने पर कोई कोताही नहीं बरती जाएगी। मांग पूरी होने पर धरना समाप्त कर दिया गया। इस अवसर पर मदन मोहन नागर, शुभम सोलंकी, अजीत सिंह, सनी कुमार, जयप्रकाश, सतीश शर्मा, राजू, विजय कुमार, सुरेंद्र कुमार आदि उपस्थित रहे।

खेलकूद

दो से पांच फरवरी तक महाराष्ट्र के पुणे में आयोजित हुई थी नेशनल चैंपियनशिप

रिदमिक जिम्नास्टिक की नेशनल प्रतियोगिता में आशु ने जीता ब्रांज मेडल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| झज्जर

महाराष्ट्र के पूणे में आयोजित रिदमिक जिम्नास्टिक नेशनल चैंपियनशिप में शहर के पुराना बस स्टैंड रोड निवासी खिलाड़ी आशु ने ब्रांज मेडल हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। आशु के पिता महेंद्र ने बताया कि दो से पांच फरवरी तक आयोजित इस प्रतियोगिता में उनकी बेटी ने यह मेडल जीता। उन्होंने बताया कि आशु इससे पहली भी वर्ष 2022-23 में अंबाला में आयोजित खेल महाकुंभ के दौरान सिल्वर मेडल हासिल कर चुकी है। उसकी इस जीत पर आशु के दादा जयभगवान, रामफल, राकेश, प्यारेलाल, चाचा सुरेंद्र, रविंद्र, राजेश, सुनील, प्रवीण आदि ने खुशी जताते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। रिदमिक जिम्नास्टिक नेशनल चैंपियनशिप में शहर के पुराना बस स्टैंड रोड निवासी खिलाड़ी आशु ने ब्रांज मेडल हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है। जीत से परिवार में खुशी का माहौल है।

मुक्केबाजी प्रतियोगिता में हितेश गुलिया ने जीता कांस्य पदक

झज्जर। महर्षि दयानंद सरस्वती स्टेडियम में अभ्यास करने वाले होनहार मुक्केबाज हितेश गुलिया ने स्पेन में आयोजित अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी में कांस्य पदक जीत कर देश का गौरव बढ़ाया है। बॉक्सिंक कोच हितेश देशवाल ने बताया कि हितेश गुलिया पहले दो बार वर्ल्ड चैंपियन रह चुका है और अब तक कई अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर देश का नाम रोशन कर चुका है। इस उपलब्धि पर भारतीय मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष अजय सिंह, महासचिव प्रमोद कुमार, हरियाणा मुक्केबाजी संघ के अध्यक्ष मेजर सत्यपाल सिंधू, महासचिव ओमबीर हुड्डा ने उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

कराटे बेल्ट टेस्ट में श्रेय छिल्लर को मिली ब्लैक बेल्ट

बहादुरगढ़। एचएल सिटी में स्थित कराटे प्लेनेट में रविवार को कराटे बेल्ट टेस्ट का आयोजन किया गया। सतपाल छिल्लर ने बताया कि कोच शिहान रजनीश चौधरी की देखरेख में बेल्ट टेस्ट का आयोजन हुआ। निताारा, खुशी, सनाया गुलिया, संवेश, देवांश सहरावत, आरव शर्मा, आयन खर्ब, अंजली खर्ब ने यैलो बेल्ट जीती। रायसा, एकलव्य, उत्कर्ष गुलिया, श्रीयांश राजपूत, विराज गुलिया, चेतना सैनी, वनुष्का, भूमिक जैन ने ग्रीन बेल्ट जीती। जबकि देवांश छिल्लर, डोयल, हरनूर, लावय कादयान ने ब्राउन बेल्ट जीती। श्रेय छिल्लर ने ब्लैक बेल्ट जीती। सभी विजेता खिलाड़ियों को बेल्ट और प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया।

लोगों से पौधोपण, जल संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और प्लास्टिक के न्यूनतम उपयोग का आह्वान किया

हिंदू सम्मेलन में महिलाओं ने ध्वजा यात्रा निकालकर समाज में एकता का दिया संदेश

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने सुभाष नगर व सेक्टर 9 ए में किया हिंदू सम्मेलन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ द्वारा लाइनपार के सुभाष नगर में स्थित बगीची वाले मंदिर में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। जबकि सेक्टर-9ए में आयोजित हिंदू सम्मेलन में करीब 158 मातृशक्ति ने ध्वजा यात्रा निकाली। लाइनपार में हुए कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन एवं वंदे मातरम के सामूहिक गायन के साथ हुआ। इसमें मुख्य वक्ता के रूप में जिला कार्यवाह भास्कर व दीपक मौजूद रहे। मुख्य अतिथि के रूप में बालाजी मंदिर के महामण्डलेश्वर गणेश जी महाराज उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता वेद राणा ने की। वक्ताओं ने कहा कि कुटुंब व्यवस्था हमारी सामाजिक रीढ़ है, किंतु आज टूटते परिवार चिंता का विषय हैं। इसके समाधान के लिए पारिवारिक संवाद, सप्ताह में कम से कम एक दिन परिवार के साथ समय बिताने और बच्चों को आचरण से संस्कार देने पर बल दिया। सामाजिक समरसता पर बल देने का आह्वान किया। पर्यावरण संरक्षण को भारतीय संस्कृति की मूल चेतना बताते हुए पौधरोपण, जल संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण और प्लास्टिक के न्यूनतम उपयोग का आह्वान किया। संविधान एवं कानून का पालन तथा स्वच्छता को जीवन का अंग बनाना प्रत्येक नागरिक का दायित्व है।

बहादुरगढ़। लाइनपार में हुए हिंदू सम्मेलन में उपस्थित लोग। फोटो: हरिभूमि

बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून को स्मृति चिह्न देते आयोजक।

हिंदू शक्ति को संगठित करना वर्तमान की जरूरत

झज्जर। रविवार को छुछकवास गांव में हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य वक्ता जिला बौद्धिक प्रमुख अजेंद्र रहे, जबकि श्रीमहंत सुग्रामदास महाराज मुख्यतिथि और अध्यक्षता सामाजिक कार्यकर्ता रमेश आर्य ने की। मुख्यतिथि श्रीमहंत सुग्रामदास महाराज ने कहा कि हिंदू समाज के बिखराव का कारण ही हिंदूओं की कमजोरी का कारण बना है। उन्होंने कहा कि आज हिंदूओं को जाति-पाति से बाहर निकलकर संगठित होना होगा। यह समय की आवश्यकता है। मुख्यवक्ता अजेंद्र ने कहा कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के पंच परिवर्तन के मूल मंत्र से समाज परिवर्तन संभव है। उन्होंने कहा कि समाज के लोग ही समाज के लिए कार्य करें यहीं संघ की मूल धारणा है। उन्होंने कहा कि संघ समाज को साथ लेकर ही समाज के लिए काम करता है और शताब्दी वर्ष में सामाजिक समरसता, स्वदेशी, पर्यावरण संरक्षण, नागरिक कर्तव्य व कुटुंब प्रबोधन को मूल मंत्र के रूप में अपनाते हुए समाज के लिए काम कर रहा है।

झज्जर। हिंदू सम्मेलन के दौरान उपस्थित ग्रामीण। फोटो: हरिभूमि

हिंदू समाज की एकता ही भारत की सांस्कृतिक और राष्ट्रवादी शक्ति का आधार : विधायक

- सर्व हिंदू समाज ने सेक्टर-9 के श्री शिव-शक्ति मंदिर में निकाली कलश व ध्वजा यात्रा

बहादुरगढ़। सर्व हिंदू समाज द्वारा सेक्टर-9 के श्री शिव-शक्ति मंदिर विराट हिंदू सम्मेलन आयोजित किया गया। सम्मेलन में विधायक राजेश जून ने विशेष रूप से शिरकत की। आयोजकों ने सामाजिक एकता व सांस्कृतिक चेतना के लिए किए जा रहे प्रयासों की जानकारी भी साझा की। कार्यक्रम की शुरुआत पारंपरिक कलश व ध्वजा यात्रा से हुई, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इसके पश्चात प्रस्तुत सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने प्रभावित किया। भारत माता की भव्य आरती ने पूरे वातावरण को राष्ट्रभक्ति और अध्यात्म से ओत-प्रोत कर दिया। आयोजन समिति ने पटका पहनाकर विधायक का स्वागत किया और स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया। राजेश जून ने कहा कि ऐसे सम्मेलन समाज को जोड़ते हैं। हिंदू समाज की एकता ही भारत की सांस्कृतिक और राष्ट्रवादी शक्ति का आधार है। हमें आपसी भेदभाव से ऊपर उठकर धर्म, संस्कृति और राष्ट्रहित के लिए एकजुट होकर कार्य करना होगा। अर्चना शर्मा, सह जिला कार्यवाह राकेश, रामानंद गिरी जी महाराज, महंत गीता राम आदि ने भी हिंदू समाज की मजबूती के लिए अपने विचार रखे। मंच संचालन संतोष सिंह व अनिल खुराना ने किया। कार्यक्रम में हीरा सिंह मान, अनिल मोहन, रमेश कुमार, नागेंद्र लाकड़ा, अजय, कुलदीप, भूपेंद्र, दीपक शर्मा, चंद्रदेव, सुनीता मोहन, बीना ग्रोवर व सुनीता सोनी आदि मौजूद रहे।

न्यूज डायरी

झज्जर। स्कॉलरशिप टेस्ट में भाग लेते हुए विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

आरपीएस में 1308 छात्रों ने दी स्कॉलरशिप परीक्षा

झज्जर : आरपीएस स्कूल में विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचानने एवं प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्कॉलरशिप टेस्ट का आयोजन किया गया। इस परीक्षा में कुल 1308 विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विद्यालय अध्यक्ष श्रीभगवान यादव, निदेशक हंसराज यादव एवं प्राचार्या अंजू यादव ने विद्यार्थियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि कड़ी मेहनत, आत्मविश्वास और अनुशासन ही सफलता की सच्ची पहचान है। यह परीक्षा आपके उज्ज्वल भविष्य की दिशा तय करने में सहायक सिद्ध होगी। उन्होंने साथ ही अभिभावकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अभिभावकों द्वारा आरपीएस स्कूल पर जताया गया विश्वास ही विद्यालय की सबसे बड़ी पूंजी है। अभिभावकों के सहयोग और विश्वास से ही इस प्रकार के शैक्षणिक आयोजनों को सफलतापूर्वक संपन्न किया जा रहा है।

बहादुरगढ़। विधायक राजेश जून को स्मृति चिह्न देते आयोजक।

सोलधा में बुजुर्गों ने दौड़ में दिखाया दम

बहादुरगढ़। सोलधा गांव में शहीद भगत सिंह क्रिकेट टूर्नामेंट एवं बुजुर्गों की दौड़ प्रतियोगिता आयोजित की गई। इसमें विधायक राजेश जून ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। जून ने 11 हजार रुपए की धनराशि आयोजन समिति को दान स्वरूप भेंट की। विधायक ने खिलाड़ियों से परिचय लिया और सभी प्रतिभागियों को खेल भावना, अनुशासन और आपसी भाईचारे के साथ खेलने का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि आज के दौर में युवाओं को नशे और गलत रास्तों से बचाने के लिए खेल सबसे सशक्त साधन हैं।

बहादुरगढ़। बैठक में संगठन को मजबूत करने की चर्चा करते जजपाई।

जजपा ने बैठक में बूथ मजबूती पर की चर्चा

बहादुरगढ़। रविवार को जननायक जनता पार्टी की एक महत्त्वपूर्ण संगठनात्मक बैठक जिलाध्यक्ष संजय दलाल के कार्यालय पर हुई। बैठक की अध्यक्षता हलका प्रधान संदीप अहलावत ने की, जबकि संचालन मुकेश सिहाग द्वारा किया गया। बहादुरगढ़ विधानसभा में जेजेपी संगठन को बूथ लेवल तक मजबूत करने पर चर्चा हुई। बीएलए-1 की जिम्मेदारी राकेश सिहाग को सौंपी गई। बैठक में जिलाध्यक्ष संजय दलाल, संदीप अहलावत, राकेश राठी, सोनू जोजो, दिलबाग सिंह आदि ने मिशन 2029 को लेकर विस्तार से चर्चा की। अमित दलाल, सतपाल दलाल, रविंद्र गिल, जयभगवान, ओमप्रकाश मलिक, ललित पांचाल, मुकेश, रामेश्वर दास, रमेश गहलोत, धर्मबीर दलाल, सुभाष चंद्र, नीटू कानोंढा, रवि सैनी, राकेश, अश्विनी, सोनू, संदीप, नीरज, मंजीत, अनिल, सागर, प्रवीन, प्रदीप, विनोद व अजीत आदि ने संकल्प लिया कि जजपा को बूथ से लेकर विधानसभा स्तर तक मजबूत करेंगे।

बहादुरगढ़। झंडी दिखाकर चलायमान औषधालय को रवाना करते नवीन बंटी।

हरिद्वार के लिए रवाना हुआ चलायमान औषधालय

बहादुरगढ़। नर सेवा नारायण सेवा संस्थान द्वारा संचालित निशुल्क चलायमान औषधालय रविवार को हरिद्वार के लिए रवाना किया गया। पुराना औद्योगिक क्षेत्र में हुए कार्यक्रम में भाजपा युवा मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष नवीन बंटी ने बतौर मुख्य अतिथि झंडी दिखाकर इसे रवाना किया। संस्थान अध्यक्ष वैद्य देवेंद्र रोहिल्ला व सेवादारों ने नवीन बंटी का स्वागत किया तथा स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मान किया। नवीन बंटी ने कहा कि हरिद्वार में शिवभक्त कांवड़ियों की निशुल्क चिकित्सा सेवा करना वास्तव में पुण्य का कार्य है। उन्होंने नर सेवा नारायण सेवा संस्थान द्वारा समय-समय पर धार्मिक स्थलों पर लगाए जाने वाले निशुल्क चिकित्सा शिविरों की सराहना करते हुए इसे मानव सेवा की प्रेरणादायक मिसाल बताया। वैद्य देवेंद्र रोहिल्ला ने बताया कि संस्थान द्वारा 1980 से यह निशुल्क चिकित्सा सेवा की जा रही है। इस बार 8 से 14 फरवरी तक हरिद्वार के रुड़की में शिविर लगाकर कांवड़ियों को निशुल्क चिकित्सा एवं दवाइयों की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। आनंद रोहिल्ला, भगवान दास रोहिल्ला, डॉ स्नेहप्रकाश, डॉ महेंद्र मुदगिल, डॉ राहुल, अनिल दत्त, हरीश, विनोद पोद्दार, सचिन रोहिल्ला, संतराम, रूपराम, दिलबाग दयाल, प्रदीप कटारिया रवि, अंजना देवी, नीलम देवी, मधु बाला व गीता देवी आदि रहे।

झज्जर। स्कूल स्टॉफ सदस्यों के साथ विजेता प्रतिभागी।

साइंस टैलेंट प्रतियोगिता में 2400 ने लिया भाग

झज्जर। कैंब्रिज इंटरनेशनल वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय में रविवार को 12वीं साइंस टैलेंट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें 24 सौ विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय निदेशक धर्मेंद्र जून, निदेशिका सुदेश जून एवं शिक्षकों द्वारा दीप प्रज्वलन कर किया गया। प्रतियोगिता के अंतर्गत विद्यार्थियों ने लिखित परीक्षा दी। बाद में सांस्कृतिक कार्यक्रमों की आकर्षक प्रस्तुतियां देकर सभी का मन मोहा। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों में उत्साह बढ़ाने के लिए लक्की ड्रा का आयोजन भी किया गया। जिसमें कुल 15 आकर्षक पुरस्कार रखे गए। मुख्य पुरस्कारों में स्मार्ट टीवी विजेता रियान बाल्यान, दूसरा पुरस्कार साइकिल विजेता अंशीश, तीसरा पुरस्कार मिक्सर जूसर विजेता मीनू रही। इसके अलावा भी विद्यार्थियों को पुरस्कार वितरित किए गए। निदेशक धर्मेंद्र जून ने विद्यालय की शैक्षणिक उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि विद्यालय की छात्रा अंशु ने एनईईटी में जिला टॉपर बनकर ऑल इंडिया रैंक 103 प्राप्त की है। वहीं हाल ही में एनडीए एयरफोर्स में फ्लाइंग ऑफिसर पद पर चयनित शौर्य खोखर के दादा रमेश खोखर को भी शॉल व फूलमाला पहनाकर सम्मानित किया गया।

बहादुरगढ़। उद्यमियों से चर्चा करते सचिव अमरदीप भाटिया। फोटो: हरिभूमि

फुटवियर पार्क में मंत्रालय के सचिव ने सुनी समस्याएं

बहादुरगढ़। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के अंतर्गत डीपीआईआईटी के सचिव अमरदीप सिंह भाटिया तथा संयुक्त सचिव निधि केसरवानी ने बहादुरगढ़ स्थित फुटवियर पार्क का दौरा किया। इस दौरान फुटवियर उद्योग से जुड़े उद्योग प्रतिनिधियों के साथ संवाद किया। उनके समक्ष आ रही विभिन्न समस्याओं एवं विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सिफी, बीसीसीआई व बीएफडीएस के प्रतिनिधि के रूप में रमेश दुआ, राजकुमार गुप्ता, सुभाष जग्गा, राजेंद्र जिंदल, आलोक जैन, धर्मेंद्र नरूला, सौरभ बैराठी, गोविंद राजू, सौरभ गुप्ता व पवन जैन आदि मौजूद रहे। अमरदीप सिंह भाटिया तथा निधि केसरवानी ने उद्यमियों द्वारा उठाए गए सभी मुद्दों को अत्यंत धैर्यपूर्वक सुना तथा हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया।

साइकिल रैली में शामिल हुए शहर से 350 नागरिक, कैंसर के प्रति किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

कैंसर जागरूकता और पर्यावरण संरक्षण का संदेश देने के उद्देश्य से बीएलके मैक्स हॉस्पिटल, दिल्ली, जैन सेवा मंडल ट्रस्ट तथा क्लीन एंड ग्रीन ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में शहर में साइकिल रैली का आयोजन किया गया। रैली का शुभारंभ सेक्टर-6 स्थित देवीलाल पार्क की पहली पुलिया से हुआ। यह रैली रोहतक-दिल्ली रोड, रेलवे रोड व नाहरा-नाहरी रोड से होते हुए पुनः देवीलाल पार्क में संपन्न हुई। रैली में शहर के लगभग साढ़े तीन सौ नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। युवाओं, महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों की सक्रिय भागीदारी ने कार्यक्रम को जन-आंदोलन का रूप दे दिया। प्रतिभागियों ने साइकिल चलाते हुए लोगों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने, कैंसर की समय पर जांच कराने तथा पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रेरित किया। कार्यक्रम का नेतृत्व बीएलके मैक्स हॉस्पिटल के सर्जिकल ऑन्कोलॉजी विभाग के प्रमुख डॉ. राजेश जैन और उनकी टीम ने किया। इस अवसर पर नगर परिषद चेयरपर्सन सरोज राठी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं, जबकि विशिष्ट अतिथियों में योगाचार्य एवं शिक्षाविद डॉ. अंजू अग्रवाल, ट्रैफिक पुलिस इंस्पेक्टर सतीश कुमार व सुधीर भारद्वाज शामिल रहे। आयोजकों ने कहा कि ऐसे जागरूकता कार्यक्रम लोगों को स्वास्थ्य के प्रति सचेत करने के साथ-साथ स्वच्छ पर्यावरण और सक्रिय जीवनशैली अपनाने की प्रेरणा देते हैं, जिससे समाज में सकारात्मक बदलाव संभव होता है।

बहादुरगढ़। रविवार को निकाली गई साइकिल रैली में शामिल युवा।

परमात्मा शिव का ज्ञान धारण कर लें तो अंदर का अंधकार समाप्त हो जाएगा : बीके अंजलि

- प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र में मनाई त्रिमूर्ति शिव जयंती

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रविवार को सेक्टर-13 स्थित प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र में 90वीं त्रिमूर्ति शिव जयंती बड़ी धूमधाम से मनाई गई। बहादुरगढ़ की मुख्य संचालिका बीके अंजलि दीदी ने सभी को शिव समान आचरण अपनाने के लिए प्रेरित किया। बीके अंजलि के अनुसार परम पिता परमात्मा शिव का ज्ञान हर मनुष्य आत्मा अपने आचरण में धारण कर ले तो उनके अंदर का अंधकार समाप्त हो जाए। हमें अपने अंदर के अंधकार को समाप्त करने की आवश्यकता है, जो केवल शिव ही कर सकते हैं। बीके रेणु दीदी ने बताया कि शिव ही हम सर्व आत्माओं के पिता हैं। हिंदू मुसलमान सब भाई हैं। हमारे अंदर आत्मिक स्नेह जागृत होगा तो ही उसके आधार से हम अपने जीवन को सुखी बना सकते हैं। बीके ममता बहन ने सभी को राजयोग का अभ्यास कराया। आरडब्ल्यूए प्रेसिडेंट राजवीर दलाल ने भी कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने कहा कि वास्तव में शिव के संग बैठना ही सच्चा सत्संग है। पिंकी ने भी शिवरात्रि की शुभकामनाएं दी। सिद्दीपुर लोवा कन्या गुरुकुल की आचार्या विद्यावती बहन ने भी सनातन धर्म मजबूत बनाने का आह्वान करते हुए जीवन में यज्ञ के महत्व को बताया। इस मौके पर बीके प्रीति, निधि, भगवान व रेखा आदि मौजूद रहे।

बहादुरगढ़। कार्यक्रम में उपस्थित ब्रह्माकुमार व ब्रह्माकुमारियां। फोटो: हरिभूमि

झज्जर। होनहार विद्यार्थियों को सम्मानित करते हुए डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल व चेयरमैन महिपाल। फोटो: हरिभूमि

संस्कारम् ग्रुप ने होनहार छात्रों का किया सम्मान

झज्जर। शिक्षा, संस्कार और नवाचार के संगम संस्कारम पब्लिक स्कूल खातीवास में उत्कृष्टता के दस वर्ष के उपलक्ष्य में रविवार को वार्षिक उत्सव आरोहण का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल द्वारा गेस्ट ऑफ ऑनर मोहिनी स्वप्निल पाटिल, विशिष्टातिथि के रूप में उपस्थित डिप्टी डीईओ रूपिंद्र नांदल व संस्कारम् ग्रुप के चेयरमैन डॉक्टर महिपाल के साथ मां सरस्वती की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्ज्वलित करके किया गया। चेयरमैन डॉक्टर महिपाल ने पुष्पगुच्छ व स्मृति चिन्ह देकर अतिथियों का अभिनंदन किया। डीसी स्वप्निल रविंद्र पाटिल ने मैनेजमेंट की सराहना करते हुए उसे बेमिसाल बताया। इस दौरान सीबीएसई बोर्ड परीक्षा में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान हासिल करने वाले विद्यार्थियों को पुरस्कृत किया गया। पुरस्कार स्वरूप मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी, लैपटॉप, किंडल, साइकिल, एजुकेशनल किट और स्पोर्ट्स किट प्रदान की गईं।

गांव नूना माजरा में रास्ता रोककर चचेरे भाइयों को पीटा

बहादुरगढ़। गांव नूना माजरा में दो चचेरे भाइयों के साथ मारपीट करने और धमकी देने का मामला सामने आया है। इस संबंध में पुलिस को शिकायत दे दी गई है। सदर थाना पुलिस ने केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

वारदात बिजेंद्र के साथ हुई है। बिजेंद्र का कहना है कि वह फोन पर बात करते हुए फिरनी के पास से गुजर रहा था। वहां रास्ते में नवीन व उसके कुछ साथी मिल गए। वे गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर मारपीट शुरू कर दी। मुझ पर पत्थर से वार किए। किसी तरह से बचकर भागने लगा तो फिर पकड़ लिया। इसके बाद मैंने अपने चाचा के लड़के रुपेंद्र को बुला लिया। रुपेंद्र आया तो उस पर भी हमला कर दिया गया। जब ग्रामीण इकट्ठे हुए तो हमलावरों ने हमको छोड़ा और जान से मारने की धमकी देकर चले गए।

आगरा, अलवर, भिवानी, दिल्ली, नोएडा व द्वारका में लगाई दौड़

देश के कई शहरों में दौड़े और जीते बीआरजी के धावक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बहादुरगढ़

रविवार को बहादुरगढ़ रनर्स ग्रुप के एथलीटों ने देश के कई शहरों में हुई दौड़ व खेल आयोजनों में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर क्षेत्र का नाम रोशन किया। आगरा हाफ मैराथन, अलवर टाइगर हाफ मैराथन, भिवानी, दिल्ली, नोएडा, द्वारका हाफ मैराथन, रोहिणी व बहादुरगढ़ साइक्लोथॉन में बीआरजी के सदस्यों ने मजबूत उपस्थित दर्ज करवाई। बीआरजी संस्थापक दीपक छिल्लर ने बताया कि एथलीटों की यह सफलता उभरते युवाओं को प्रेरणा देगी।

दिल्ली के सिरीफोर्ट में हुए कार्यक्रम में अशोक शर्मा व संदीप छिल्लर ने सशक्त उपस्थिति दर्ज कराई। नोएडा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में हुई प्रतियोगिता में सीमा ने ओपन कैटेगरी में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। ललिता पांडेय, देवेंद्र किशोर प्रसाद व गुलाब सिंह के अलावा धर्मवीर, राजपाल, गुलाब व आरके मौर्य ने भी शानदार प्रदर्शन किया। द्वारका हाफ मैराथन में राहुल कटारिया, धर्मवीर, मनीषा कुमारी, अंकित राणा, पन्नेलाल यादव, अभय श्रीवास्तव, सविता, नितेश कुमार, तनिष्क पंचाल, उरिरेई देवी, डॉ. संतोष कुमार, सुनील सिखरी, आशुतोष, रजत कौशिक, संतोष बंसल आदि ने हिस्सा लिया।

बहादुरगढ़। आगरा में जीते मेडल दिखाते बीआरजी के धावक। फोटो: हरिभूमि

यह रहे प्रतियोगिता के परिणाम

आगरा हाफ मैराथन में बीआरजी के धावक राजेश ने ओपन कैटेगरी में प्रथम स्थान प्राप्त किया। सोहनलाल ने अपने आयु वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त किया। अलवर टाइगर हाफ मैराथन में नरेंद्र जांगड़ा ने 10 किलोमीटर दौड़ में तृतीय स्थान, रोहतास ने 5वां स्थान, कृष्णा ने 65 प्लस आयु वर्ग की 10 किलोमीटर दौड़ में प्रथम स्थान प्राप्त किया। मंगेश, इकलाख व संजू ने भी उल्लेखनीय स्थान हासिल किए। भिवानी में हुए कार्यक्रम में ब्रह्मप्रकाश मान ने 5 किलोमीटर सीनियर फिट डैड श्रेणी का खिताब अपने नाम किया। जबकि संदीप ने अपने आयु वर्ग में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।